



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 204] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 18, 2010/श्रावण 27, 1932.
No. 204] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 18, 2010/SHRAVANA 27, 1932

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2010

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए (22)/2003.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के उपबंधों के निबंधनानुसार यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री एस. वेल्लेयुधन (सदस्यता सं. 024276), चार्टर्ड एकाउंटेंट, टी सी-39/856, आर्यसलाई जंक्शन, तिरुवनंतपुरम-695036 को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (11) के अर्थान्तर्गत वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, संस्थान की परिषद् ने उक्त श्री एस. वेल्लेयुधन को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में, यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री एस. वेल्लेयुधन (सदस्यता सं. 024276) का नाम 19 अगस्त, 2010 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/104/10-असा.]

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS
OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 2010

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 25-CA(22)/2003.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 and in terms of the provisions of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 it is hereby notified that Shri S. Velayudhan (Membership No. 024276) Chartered Accountant, TC-39/856, Aryasalai Junction, Thiruvananthapuram- 695 036 has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of professional misconduct falling within the meaning of Clause.(11) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said Shri S. Velayudhan has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof, it is hereby notified that the name of said Shri S. Velayudhan (Membership No. 024276) shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 19th August, 2010.

VANDANA D NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT III/4/104/10-Exty.]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2010

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए (91बी)/1993.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के उपबंधों के निबंधनानुसार यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री सुदेश पंडित (सदस्यता सं. 073258), चार्टर्ड एकाउंटेंट, डी-10/108, अराधना अपार्टमेंट्स, चित्रकूट, वैशाली नगर, जयपुर-302 021 को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (11) और भाग 3 के खंड (1) के अर्थान्तर्गत वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, संस्थान की परिषद् ने उक्त श्री सुदेश पंडित को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में, यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री सुदेश पंडित (सदस्यता सं. 073258) का नाम 19 अगस्त, 2010 से तीन (3) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/104/10-असा.]

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 2010

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 25-CA(91B)/1993.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 and in terms of the provisions of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 it is hereby notified that Shri Sudesh Pandit (Membership No. 073258) Chartered Accountant, D-10/108, Aradhana Apartments, Chitrakoot, Vaishali Nagar, Jaipur-302 021 has been found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of professional misconduct falling within the meaning of Clause (11) of Part I and Clause (1) Part III of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said Shri Sudesh Pandit has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of three (3) months. In pursuance thereof, it is hereby notified that the name of said Shri Sudesh Pandit (Membership No. 073258) shall stand removed from the Register of Members for a period of three (3) months with effect from 19th August, 2010.

VANDANA D NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/104/10-Exty.]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2010

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए (जी-191)/2003.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के उपबंधों के निबंधनानुसार यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री पी. सुब्रामोनियन (सदस्यता सं. 020672), चार्टर्ड एकाउंटेंट, मीनाक्षी कम्प्लेक्स, पी.बी. नं. 37, जिला वायानाड, कालपेटा-673 121 को, अन्य बातों के साथ, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (4) के अर्थान्तर्गत वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, संस्थान की परिषद् ने उक्त श्री पी. सुब्रामोनियन को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में, यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री पी. सुब्रामोनियन (सदस्यता सं. 020672) का नाम 19 अगस्त, 2010 से एक (1) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/104/10-असा.]

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 2010

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 25-CA(G-191)/2003.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 and in terms of the provisions of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 it is hereby notified that Shri P. Subramonian (Membership No. 020672) Chartered Accountant, Meenakshi Complex, P. B. No. 37, Distt. Wayanad, Kalpetta-673 121 has been inter alia, found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of professional misconduct falling within the meaning of Clause (4) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said Shri P. Subramonian has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of one (1) month. In pursuance thereof, it is hereby notified that the name of said Shri P. Subramonian (Membership No. 020672) shall stand removed from the Register of Members for a period of one (1) month with effect from 19th August, 2010.

VANDANA D NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/104/10-Exty.]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2010

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 25-सीए (55)/2005.—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के उपबंधों के निबंधनानुसार यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री वरुण चड्ढा (सदस्यता सं. 054046), चार्टर्ड एकाउंटेंट, कमरा नं. 50 और 51, द्वितीय तल, 3ए, चौरंगी प्लेस, कोलकाता-700 013 को, अन्य बातों के साथ, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 के खंड (8), खंड (9) और खंड (12) के अर्थान्तर्गत वृत्तिक कदाचार का दोषी पाया गया है। तत्पश्चात्, पूर्वोक्त कदाचार के संबंध में, संस्थान की परिषद् ने उक्त श्री वरुण चड्ढा को उक्त अधिनियम की धारा 21(4) के अधीन सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् यह आदेश किया है कि उनका नाम छह (6) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। इसके अनुसरण में, यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री वरुण चड्ढा (सदस्यता सं. 054046) का नाम 19 अगस्त, 2010 से छह (6) मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हट जाएगा।

वन्दना डी. नागपाल, निदेशक (अनुशासन)

[विज्ञापन III/4/104/10-असा.]

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 2010

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 25-CA(55)/2005.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 and in terms of the provisions of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 it is hereby notified that Shri Varun Chadha (Membership No. 054046) Chartered Accountant, Room Nos. 50 and 51, 2nd Floor, 3A, Chowringhee Place, Kolkata-700 013 has been, inter alia, found guilty, by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, of professional misconduct falling within the meaning of Clauses (8), (9) and (12) of Part I of the First Schedule to the Chartered Accountants Act, 1949 read with Sections 21 and 22 of the said Act. Thereafter, in respect of the aforesaid misconduct, the Council of the Institute, after affording an opportunity of hearing under Section 21(4) of the said Act to the said Shri Varun Chadha has ordered that his name be removed from the Register of Members for a period of six (6) months. In pursuance thereof, it is hereby notified that the name of said Shri Varun Chadha (Membership No. 054046) shall stand removed from the Register of Members for a period of six (6) months with effect from 19th August, 2010.

VANĀNANA D. NAGPAL, Director (Discipline)

[ADVT. III/4/104/10-Ext'y.]